भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1854

बुधवार, 3 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

मेक-इन-इंडिया के अन्तर्गत निवेश

1854. श्री धरमवीर सिंहः

श्री कनकमल कटाराः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2014 से लेकर आज तक, 'मेक इन इंडिया' पहल के अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों में सरकार के अन्य देशों के साथ सहयोग का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विदेशी कंपनियां 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रौद्योगिकी/कच्ची सामग्री/कार्ययोजना संबंधी उत्पादन/सूचना हेतु सहायता प्रदान कर रही है;

(ग) यदि हां, तो उक्त विदेशी कम्पनियों द्वारा प्रदान की गई विभिन्न सेवाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों अर्थात् 2014 से 2019 के दौरान मेक इन इंडिया के अन्तर्गत किए गए निवेश की कुल राशि का अनुमान लगाया है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) मेक इन इंडिया पर आज तक किए गए विज्ञापन खर्च का मीडिया-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत केन्द्र और राज्य सरकार के कई विभागों द्वारा समय-समय पर गतिविधियां शुरू की जा रही हैं। ऐसी गतिविधियों के कार्यक्रम विशिष्ट आंकडे और विदेशी कंपनियों के ब्यौरे केन्द्रीय रूप से नहीं रखे जाते हैं।

(घ) और (ङ): मेक इन इंडिया के शुरू होने के बाद प्राप्त कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश इक्विटी अंतर्वाह नीचे देखा जा सकता है:-

क्रम संख्या	वर्ष	एफडीआई (मिलियन डॉलर में)
1	2014-15 अक्टूबर-मार्च	15,045.89
2	2015-16	40,000.98
3	2016-17	43,478.27
4	2017-18	44,856.75
5	2018-19	44,366.03
	कुल	1,87,747.93

तथापि, मेक इन इंडिया के अंतर्गत कुल निवेश से संबंधित आंकडे केन्द्रीय रूप से नहीं रखे जाते हैं।

(च): मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत संवर्धन संबंधी गतिविधियां केन्द्र और राज्य सरकार के कई विभागों द्वारा समय-समय पर शुरू की जा रहीं हैं। इनके ब्यौरे केन्द्रीय रूप से नहीं रखे जाते हैं।

****